Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to declare birth anniversary of Guru Ghasidas on 18th December as a national holiday-laid.

श्री चुन्नीलाल साहू (महासमुन्द): छत्तीसगढ़ की संत परंपरा मे शिरोमणि गुरु घासीदास का नाम सर्वोपरि है जिनका जन्म 18 दिसम्बर 1756 को रायपुर (छ.ग.) जिले के गिरौद ग्राम मे हुआ था । सतनाम पंथ के प्रवर्तक व महान समाज सुधारक संत गुरु बाबा घासीदास की तपोभूमि मे राज्य सरकार द्वारा14 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य कराए गए हैं, जहाँ कुतुबमीनार से भी 5 मीटर ऊँचे जैतखाम का निर्माण हुआ है । वर्ष 2015 मे तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमनसिंह जी द्वारा इसका लोकार्पण किया गया । कुल लागत 50 करोड़ से अधिक है । पवित्र धाम जैतखाम से विश्व शांति का संदेश देने के लिए श्वेत पताका फहरायी जाती है । सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर गुरु घासीदास जी ने समाज के असहाय लोगो मे आत्मविश्वास, व्यक्तित्व की पहचान मानव-मानव एक समान का नारा दिया और अन्याय से जूझने के लिए प्रेरित करते हुए, सामाजिक तथा आध्यात्मिक जागरण की आधारशिला स्थापित करने मे सफल हुए ।

देश के अनेक भागों मे सतनामी समाज के लोग तथा अन्य समाज करोड़ो की तादाद मे अनुयायी निवास करते है । जैसे छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश,और राजस्थान आदि इन सबके आस्थाओं के प्रतीक संत गुरु बाबा घासीदास की जयंती मे मेला भराकर नृत्य और रंगारग कार्यकर्मों के साथ उत्साहवर्धक पर्व मनाया जाता है ।

अत: सरकार से मेरी गुजारिश है की सतनाम पंथ के प्रवर्तक व महान समाज सुधारक शिरोमणि गुरु बाबा घासीदास के जयंती पर प्रतिवर्ष 18 दिसम्बर को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया जाए ।